

FRONT SIDE

210mm.

285mm.

PIROXOFOP - PROPANYL 15% WP
CLODINAFOP - PROPARGYL 15% WP
TOPPLE WH
(POST EMERGENCE HERBICIDE)

This is a post emergency herbicide with excellent control of most of the important grass weed species in small grain cereals such as wheat. It contains 150 gms of Cloclinafop-Propargyl (P) - 2 - [4-[[[5-chloro-2-fluoro-2-pyridinyl) oxy] phenoxy]-propanoic acid propargyl ester per kilogram of wettable powder formulation.

Application : This herbicide is recommended for the control of following grassy weeds in wheat:

Table with 5 columns: Crop, Common name of weed, Dosage / ha g.a.i., Formulation, Dilution in water (lts), Waiting period from last spray to harvest day.

Timing of application : This herbicide is recommended for post emergency application which is about 30-35 days after sowing of wheat crop. (When Phalaris minor is 3-4 leaf stage). Best results are obtained by applying this herbicide when the majority of the grass weeds have emerged and are actively growing e.g. under warm, moist conditions.

Mode of Uptake : This herbicide is taken up through leaves of grass weeds. Active growth of susceptible grasses ceases 48 hours after application. Symptoms are observed within one to three weeks depending on environmental condition and species involved.

Crop Tolerance : Excellent crop tolerance including a double safety margin has been observed in wheat when applied between the 3 leaf stage and stem elongation of the cereals. TOPPLE WH is not recommended for use in barley and oats.

Re-cropping flexibility : This is quickly degraded in the soil and has little or no soil activity. There are no recropping restrictions.

Application Technique : TOPPLE WH can be applied through knapsack and or hand held applicators. The minimum water volume to be used is 375 lts per ha. This is also available in unit dose sized water soluble bags.

- Preparation of the spray liquid : 1. Mixing outside the knapsack... 2. Mixing directly into the knapsack sprayer...

- Storage : 1) Store away from sun and damp in a well ventilated area... 2) Do not stack containers in piles more than 2M high...

Precautions : Keep locked up out of reach of children and other unauthorised persons. Avoid any contact of skin, eye or clothing with concentrate or spray mixture. Do not breathe vapour or spray mist. Do not eat, drink or smoke while handling the product.

Disposal of Containers : Dispose of surplus product on a landfill site approved for pesticides or bury in a safe place away from water supplies. Dispose of used containers on a landfill site approved for containers pesticides or bury in a safe place.

First Aid : In case of contact with skin and eyes wash immediately with plenty of water. If inhaled, move to clean air. Seek medical attention if a large volume of concentrate was ingested or if irritation should persist.

Antidote : No specific antidote is known. Apply symptomatic therapy. Caution: Not to be used on crops other than specified on this label / leaflet.



Marketed by: SWAL CORPORATION LTD. Registered Office: UPL LTD., Readymoney Terrace, 167, Dr A B Road, Worli, Mumbai-400018, Maharashtra

TOPPLE

PIROXOFOP - PROPANYL 15% WP
CLODINAFOP - PROPARGYL 15% WP

Herbicide

MANUFACTURED BY : UPL SUSTAINABLE AGRI SOLUTIONS LIMITED, UNIPHOS HOUSE, C. D. MARG, 11TH ROAD, KHAR (WEST), MUMBAI- 400 052
MARKETED BY : SWAL CORPORATION LTD., C/O. UPL LTD., READYMONEY TERRACE, 167, DR. A. B. ROAD, WORLI, MUMBAI - 400 018, MAHARASHTRA

निर्माता : यूपीएल सस्टेनेबल अग्री सोल्युशन्स लिमिटेड, युनिफोस हाउस, सी. डी. मार्ग, ११ वा रोड, खार (प), मुंबई-४०० ०५२
विपणनकर्ता : स्वाल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, C/O. यूपीएल लिमिटेड, रेडिमनी टैरस, १६७, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वरली, मुंबई-४०० ०१८, महाराष्ट्र।

FOR SUGGESTIONS AND COMPLAINTS, CONTACT: MANAGER, (CUSTOMER CARE) - SWAL CORPORATION LTD., C/O. UPL LTD., READYMONEY TERRACE, 167, DR. A. B. ROAD, WORLI, MUMBAI - 400 018, MAHARASHTRA. TEL. NO.: 1800-233-2020, EMAIL: CUSTOMER.CARE@SWAL.IN



BACK SIDE

210mm.

285mm.

पायरोक्सोफॉप - प्रोपानील १५% डब्ल्यू. पी.
क्लोडिनाफॉप - प्रोपारजिल १५% डब्ल्यू. पी.
टॉपल डब्ल्यूएच
(फसल उगने के बाद इस्तेमाल करने के लिए खरपतवारनाशक)

यह एक फसल उगने के बाद इस्तेमाल करने के लिए खरपतवारनाशक है जिसकी सिफारिश गेहूँ में अनेकाले घास जैसे खरपतवारों के नियंत्रण के लिए की गयी है। इसके 1 किलोग्राम घोल में १५० ग्राम प्रतिशत क्लोडिनाफॉप प्रोपारजिल जिसका रासायनिक नाम - (नाम) -२ [४-[[[५-क्लोरो]-२- फ्लूरो]-२- प्यारोडिनाइल] ऑक्सी] फेनोक्सी] - प्रोपारोईक एसिड प्रोपानील एस्टर है।

सिफारिश : यह खरपतवारनाशक की सिफारिश निम्नलिखित गेहूँ में अनेकाले घास जैसे खरपतवारों के लिए की गई है।

Table with 5 columns: फसल, घास के सामान्य नाम, मात्रा/हेक्टर, चोल की मात्रा, लीटर पानी में तैयार, अंतिम छेड़ और फटाई के बीच का अंतर (दिवस).

छिड़काव का समय : यह खरपतवारनाशक की सिफारिश गेहूँ के बीज रोपण के ३०-३५ दिन बाद छिड़कने के लिए की गई है, जब मंजूरी के ३-४ पत्ते निकल आ चुके रहते हैं। इस खरपतवारनाशक का अच्छा असर पत्ते के लिए सभी घास खरपतवारों के उगने के बाद इस्तेमाल करना बेहतर रहेगा, जैसे कि वातावरण गरम और हवा में आर्द्रता हो।

खरपतवारों में अंतर करने की प्रक्रिया : यह खरपतवारनाशक का पत्ते के सक्रिय खरपतवारों में रोपण होता है। छिड़काव के ४८ घंटे बाद खरपतवारों का बहना रुक जाता है। इसे पत्तों का निरंतर पतन और सूखना और बढ़नेवाले भागों को मरना छिड़काव से १ से ३ हफ्तों बाद दिखाई पड़ता है।

फसल की सुरक्षा : गेहूँ में किए हुए प्रयोग से साबित हुआ है कि टॉपल डब्ल्यूएच के इस्तेमाल से गेहूँ पर (३ पत्ते से लेके बढ़े गेहूँ के चौथे तक) कोई असर नहीं पड़ता। बारूटी और जई पर इस्तेमाल के लिए टॉपल डब्ल्यूएच की सिफारिश नहीं की गई है।

बाद में उपनिवेशी फसल पर असर : क्योंकि यह खरपतवारनाशक मिट्टी में जमाव देर तक नहीं रहता इसकी बहाव से बाद में उपनिवेशी फसल पर इसका कोई असरपावण असर नहीं है।

खरपतवारों की शक्ती बढ़ने की चुनौती: लगातार एक ही खरपतवारनाशक के इस्तेमाल होने से खरपतवारों के प्रतिरोधकता की वृद्धि होने की संभावना है। इस वृद्धि को काबू में लाने के लिए कई अन्य जैवी योज्य उपाय योजनआंके इस्तेमाल की सिफारिश की जा सकती है। घास सिफारिशोंके लिए हमारे प्रतिनिधियों से सहायता लें।

छिड़काव का प्रयोग : टॉपल डब्ल्यूएच की सिफारिश १५ सेक लीटर हाथ से छिड़काव करनेवाले स्प्रेयर के लिए की गई है। अच्छे असर के लिए कम से कम ३५५ लि. प्रति हेक्टर पानी की जरूरत है। टॉपल डब्ल्यूएच पानी में घुलनेवाले प्लास्टिक बैग में उपलब्ध है। १५ सेक स्प्रेयर में ५०० मी. साईज तथा नोजल जाली चिटाने की आवश्यकता है।

- पोल बनाने की प्रक्रिया : १) १५ सेक स्प्रेयर में डालने के पहले की प्रक्रिया: टॉपल डब्ल्यूएच का पूरा पोल एक बड़े पात्र में अच्छा पानी लेकर बनाये जिसमें थोड़े थोड़े का छिड़काव करने के लिए पोल एक ही बार अनेक सेक में डालकर छिड़का जा सके। ऐसे पोल बनाने के लिए उस पात्र को १/३ या १/२ पानी से भरें और उसमें थोड़ा थोड़ा इस्तेमाल करने के लिए लगातारकी टॉपल डब्ल्यूएच की मात्रा बहाव करके डालें। इस पोल को अच्छी तरह घुमाए ताकि मात्रा अच्छी तरह से घुल जाए। १५ सेक में जाने के लिए इस पोल का इस्तेमाल करें। २) १५ सेक में सीधी तरह डालने की प्रक्रिया : १५ सेक को १/३ या १/२ पानी से भरें। इसमें पानी में घुलनेवाली बैग जिसमें यह खरपतवारनाशक भरा हो डाल दें। अच्छी तरह इस पोल को घुमाए ताकि अच्छा संमिश्रण तैयार हो। बचा हुआ पानी १५ सेक में डालने के छिड़काव करें।

- संभरण : १) खरपतवारनाशक के पैकेजों को अलग कमरों में रखकर, ऐसे कमरों को अन्य कमरों से दूर रखना चाहिए जहाँ अन्य सामान रखा हो जैसे कि खाद्य पदार्थ या फिर उन्हें अलमारी में तालाबंद रखें। २) जिन कमरों या स्थानों पर खरपतवारनाशक रखा हो वे अच्छी तरह निर्मित हों, सूखी और हवादार, रोसनीयुक्त हों और उनका आकार भी लम्बा चौड़ा होना चाहिए ताकि हवा दृष्टि न हो पाए। ३) पैकेजों का भण्डारण एक के ऊपर रखकर २ मी. उंचाई के ऊपर न करें, इससे अंदर की चीज पर बहाव पड़ने की संभावना है।

सावधानियाँ : बच्चों की पहुँच से दूर रखिए। स्वचा, आँखों तथा कपड़ों से संपर्क न आने दें। इस उपकरण को सांस द्वारा अंदर न लें। इसका इस्तेमाल करते समय ना ही खाएँ, ना पियें या धूम्रपान करें। इसे उपयोग में लाने के बाद हाथ धुएँ अच्छी तरह पानी से धोएँ। इसके इस्तेमाल के समय बचाव के कपड़े, दस्ताने, सूखीटा, गोंसल और बूट पहनें। इसके उपयोग के बाद स्प्रेयर, बाल्टियाँ तथा अन्य बर्तनों को पानी से रोजाना धोएँ। साबुन और भरपूर पानी से हाथ धोएँ और काम खत्म होने पर कपड़े बदल लें, दृष्टि कपड़ों को भी धोएँ, बचे हुए पोल/पदार्थ को सोतों, नालाब या पानी के अन्य स्थानों में डालकर उन्हें प्रदूषित न करें। यदि सिफारिश की गई मात्रा में इस्तेमाल किया जाए तो वनजीवन पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। यदि विषबाधा के लक्षण दिखाई दें तो फोन डॉक्टर की सलाह लें।

- डिब्बों का निपटारा : १) पर्यावरण का प्रदूषण बचाने के लिए डिब्बे, बचा हुआ पोल/पदार्थ घरानों की धोखे और खाली डिब्बों का निपटारा सुरक्षित स्थान पर करें। २) उपयोग किए हुए डिब्बे/पैकेजों को बेसे ही बाहर न छोड़ देना चाहिए। इस प्रकार दुबारा उपयोग बचाव का संकेत है। ३) पैकेजों/डिब्बों को तोड़-फोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ देना चाहिए।

विषबाधा के लक्षण : सस लेने में परेशानी, अधिक लार, कांठगिल्ला में कमी होना, अंधा व स्वचा में जलन होना, आदि। प्रथमोपचार : यदि स्वचा और आँखों में लार जाए तो तुरन्त भरपूर पानी से धो डालें। अगर सस द्वारा अंदर से निवा हो तो अच्छी स्वच्छ हवा में ले जाए। अगर निमाल हो तो भरपूर पानी में मॅडिकल चाकोलेत भरपूर मात्रा में दें। अगर अधिक मात्रा में निमाल हो या तकलीफ ज्यादा देर तक रहें तो तुरन्त डॉक्टरों उपाय करें।

विषनाशक : कोई विशेष विषनाशक नहीं है। लक्षणों के अनुसार इलाज करें।

सावधानी : तैयार/लीफलेट में बताई गई फसलों के अलावा अन्य फसलों पर इस्तेमाल न करें।



सिफारिश: उपरिष्ठ कॉर्पोरेशन लिमिटेड, संतोषक कार्यालय : युनिफोस लिमिटेड, रेडिमनी टैरस, १६७, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वरली, मुंबई -४०० ०१८, महाराष्ट्र।

पायरोक्सोफॉप-प्रोपानील १५% डबलजु पी
क्लोडिनाफॉप-प्रोपारजिल १५% डबलजु पी
टॉपल डबलजुओर
(पेटे उगने के बाद लड़ी नदीनाशक)

इस डबल उगने के बाद इस्तेमाल करने के लिए खरपतवारनाशक है, जिसकी सिफारिश गेहूँ में अनेकाले घास जैसे खरपतवारों के नियंत्रण के लिए की गयी है। इसके 1 किलोग्राम घोल में १५० ग्राम क्लोडिनाफॉप-प्रोपारजिल है जिसका रासायनिक नाम है (आर)-२-[४-[[[५-क्लोरो]-२- फ्लूरो]-२- पायरोडिनाइल] ऑक्सी] फेनोक्सी] - प्रोपारोईक एसिड प्रोपानील एस्टर, नै सिद्धि के साथ पायरोडिनाइल के रूप में है।

सिफारिश : इसकी सिफारिश गेहूँ में अनेकाले घास जैसे खरपतवारों के लिए की गई है।

Table with 5 columns: डबल, घास का नाम, मात्रा/हेक्टर, चोल की मात्रा, लीटर पानी में तैयार, अंतिम छेड़ और फटाई के बीच का अंतर (दिवस).

इस्तेमाल के बाद : यह खरपतवारनाशक की सिफारिश गेहूँ के बीज रोपण के ३०-३५ दिन बाद छिड़कने के लिए की गई है, जब मंजूरी के ३-४ पत्ते निकल आ चुके रहते हैं। इस खरपतवारनाशक का अच्छा असर पत्ते के लिए सभी घास खरपतवारों के उगने के बाद इस्तेमाल करना बेहतर रहेगा, जैसे कि वातावरण गरम और हवा में आर्द्रता हो।

खरपतवारों में अंतर करने की प्रक्रिया : यह खरपतवारनाशक का पत्ते के सक्रिय खरपतवारों में रोपण होता है। छिड़काव के ४८ घंटे बाद खरपतवारों का बहना रुक जाता है। इसे पत्तों का निरंतर पतन और सूखना और बढ़नेवाले भागों को मरना छिड़काव से १ से ३ हफ्तों बाद दिखाई पड़ता है।

फसल की सुरक्षा : गेहूँ में किए हुए प्रयोग से साबित हुआ है कि टॉपल डब्ल्यूएच के इस्तेमाल से गेहूँ पर (३ पत्ते से लेके बढ़े गेहूँ के चौथे तक) कोई असर नहीं पड़ता। बारूटी और जई पर इस्तेमाल के लिए टॉपल डब्ल्यूएच की सिफारिश नहीं की गई है।

बाद में उपनिवेशी फसल पर असर : क्योंकि यह खरपतवारनाशक मिट्टी में जमाव देर तक नहीं रहता इसकी बहाव से बाद में उपनिवेशी फसल पर इसका कोई असरपावण असर नहीं है।

खरपतवारों की शक्ती बढ़ने की चुनौती: लगातार एक ही खरपतवारनाशक के इस्तेमाल होने से खरपतवारों के प्रतिरोधकता की वृद्धि होने की संभावना है। इस वृद्धि को काबू में लाने के लिए कई अन्य जैवी योज्य उपाय योजनआंके इस्तेमाल की सिफारिश की जा सकती है। घास सिफारिशोंके लिए हमारे प्रतिनिधियों से सहायता लें।

छिड़काव का प्रयोग : टॉपल डब्ल्यूएच की सिफारिश १५ सेक लीटर हाथ से छिड़काव करनेवाले स्प्रेयर के लिए की गई है। अच्छे असर के लिए कम से कम ३५५ लि. प्रति हेक्टर पानी की जरूरत है। टॉपल डब्ल्यूएच पानी में घुलनेवाले प्लास्टिक बैग में उपलब्ध है। १५ सेक स्प्रेयर में ५०० मी. साईज तथा नोजल जाली चिटाने की आवश्यकता है।

- पोल बनाने की प्रक्रिया : १) १५ सेक स्प्रेयर में डालने के पहले की प्रक्रिया: टॉपल डब्ल्यूएच का पूरा पोल एक बड़े पात्र में अच्छा पानी लेकर बनाये जिसमें थोड़े थोड़े का छिड़काव करने के लिए पोल एक ही बार अनेक सेक में डालकर छिड़का जा सके। ऐसे पोल बनाने के लिए उस पात्र को १/३ या १/२ पानी से भरें और उसमें थोड़ा थोड़ा इस्तेमाल करने के लिए लगातारकी टॉपल डब्ल्यूएच की मात्रा बहाव करके डालें। इस पोल को अच्छी तरह घुमाए ताकि मात्रा अच्छी तरह से घुल जाए। १५ सेक में जाने के लिए इस पोल का इस्तेमाल करें। २) १५ सेक में सीधी तरह डालने की प्रक्रिया : १५ सेक को १/३ या १/२ पानी से भरें। इसमें पानी में घुलनेवाली बैग जिसमें यह खरपतवारनाशक भरा हो डाल दें। अच्छी तरह इस पोल को घुमाए ताकि अच्छा संमिश्रण तैयार हो। बचा हुआ पानी १५ सेक में डालने के छिड़काव करें।

- संभरण : १) खरपतवारनाशक के पैकेजों को अलग कमरों में रखकर, ऐसे कमरों को अन्य कमरों से दूर रखना चाहिए जहाँ अन्य सामान रखा हो जैसे कि खाद्य पदार्थ या फिर उन्हें अलमारी में तालाबंद रखें। २) जिन कमरों या स्थानों पर खरपतवारनाशक रखा हो वे अच्छी तरह निर्मित हों, सूखी और हवादार, रोसनीयुक्त हों और उनका आकार भी लम्बा चौड़ा होना चाहिए ताकि हवा दृष्टि न हो पाए। ३) पैकेजों का भण्डारण एक के ऊपर रखकर २ मी. उंचाई के ऊपर न करें, इससे अंदर की चीज पर बहाव पड़ने की संभावना है।

सावधानियाँ : बच्चों की पहुँच से दूर रखिए। स्वचा, आँखों तथा कपड़ों से संपर्क न आने दें। इस उपकरण को सांस द्वारा अंदर न लें। इसका इस्तेमाल करते समय ना ही खाएँ, ना पियें या धूम्रपान करें। इसे उपयोग में लाने के बाद हाथ धुएँ अच्छी तरह पानी से धोएँ। इसके इस्तेमाल के समय बचाव के कपड़े, दस्ताने, सूखीटा, गोंसल और बूट पहनें। इसके उपयोग के बाद स्प्रेयर, बाल्टियाँ तथा अन्य बर्तनों को पानी से रोजाना धोएँ। साबुन और भरपूर पानी से हाथ धोएँ और काम खत्म होने पर कपड़े बदल लें, दृष्टि कपड़ों को भी धोएँ, बचे हुए पोल/पदार्थ को सोतों, नालाब या पानी के अन्य स्थानों में डालकर उन्हें प्रदूषित न करें। यदि सिफारिश की गई मात्रा में इस्तेमाल किया जाए तो वनजीवन पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। यदि विषबाधा के लक्षण दिखाई दें तो फोन डॉक्टर की सलाह लें।

- डिब्बों का निपटारा : १) पर्यावरण का प्रदूषण बचाने के लिए डिब्बे, बचा हुआ पोल/पदार्थ घरानों की धोखे और खाली डिब्बों का निपटारा सुरक्षित स्थान पर करें। २) उपयोग किए हुए डिब्बे/पैकेजों को बेसे ही बाहर न छोड़ देना चाहिए। इस प्रकार दुबारा उपयोग बचाव का संकेत है। ३) पैकेजों/डिब्बों को तोड़-फोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ देना चाहिए।

विषबाधा के लक्षण : सस लेने में परेशानी, अधिक लार, कांठगिल्ला में कमी होना, अंधा व स्वचा में जलन होना, आदि। प्रथमोपचार : यदि स्वचा और आँखों में लार जाए तो तुरन्त भरपूर पानी से धो डालें। अगर सस द्वारा अंदर से निवा हो तो अच्छी स्वच्छ हवा में ले जाए। अगर निमाल हो तो भरपूर पानी में मॅडिकल चाकोलेत भरपूर मात्रा में दें। अगर अधिक मात्रा में निमाल हो या तकलीफ ज्यादा देर तक रहें तो तुरन्त डॉक्टरों उपाय करें।

विषनाशक : कोई विशेष विषनाशक नहीं है। लक्षणों के अनुसार इलाज करें।

सावधानी : तैयार/लीफलेट में बताई गई फसलों के अलावा अन्य फसलों पर इस्तेमाल न करें।



सिफारिश: उपरिष्ठ कॉर्पोरेशन लिमिटेड, संतोषक कार्यालय : युनिफोस लिमिटेड, रेडिमनी टैरस, १६७, डॉ. ए. बी. रोड, वरली, मुंबई -४०० ०१८, महाराष्ट्र।